जवाब दो!!!
सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2020/syst/03 E-Newsletter, Issued in Public Interest मंगलवार, 14 अप्रैल 2020

सांगानेर विधायक श्री अशोक लाहोटी के आरोप सही है या महज राजनैतिक स्टंट??जवाब क्यों नहीं देती सरकार??

विधायक का दावा,राहत कार्यों में किया जा रहा है भेदभाव

इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमे जयपुर जिले की सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री अशोक लाहोटी द्वारा दावा किया जा रहा है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा राहत कार्यों में भेदभाव करते हुए कई लोगो को राजशाही खाना उपलब्ध करवाया जा रहा है जबकि कई लोगो के पास खाने को अनाज तक नहीं है|

श्री लाहोटी के इस दावे की पुष्टि के लिए जब उनकी फेसबुक वाल देखी गयी तो पक्का हो गया कि यह वायरल वीडियो श्री लाहोटी का ही है,और इसमें कोई छेड़ छाड़ नहीं की गयी है|विश्वसनीयता के लिए उनके दावों,फोटोज,वक्तव्यों को अक्षरतः कॉपी कर यहाँ पर प्रस्तुत किया जा रहा है|

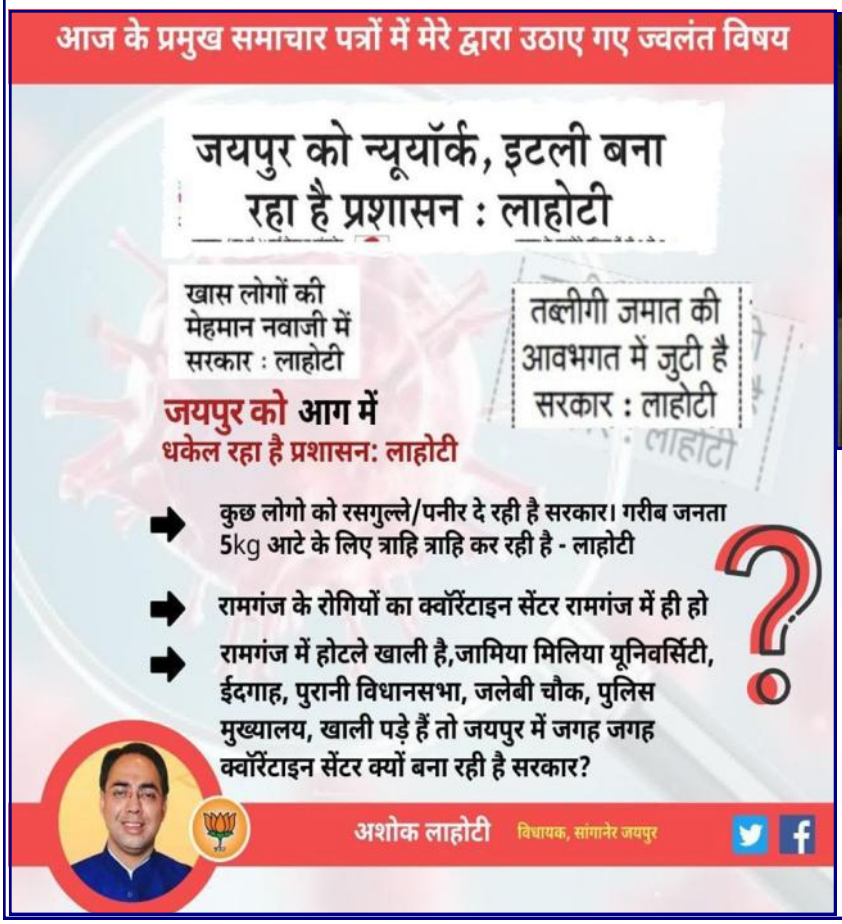

समुदाय विशेष को दिए जा रहे भोजन पैकेट,पानी और केटरिंग व्यवस्था

सादर प्रकाशनार्थ

राज्य सरकार व जिला प्रशासन कोरोना संक्रमण रोकने में पूर्ण फेल। लाहोटी

तबलीगी जमातियों की मेहमान नवाजी में लगी है सरकार- लाहोटी

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया है की राज्य सरकार संक्रमण को फैलाने वाले तबलीगी जमातीयो पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की बजाय क्वारेनटाइन में उनकी आवभगत मेहमाननवाजी में जुटी हुई है। इसके विपरीत लॉक डाउन की वजह से जयपुर में गरीब मजदूर वर्ग अपनी पेट की आग को बुझाने के लिए संघर्षरत है और राज्य सरकार की ओर मदद के लिए तरस रहा है।

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने आज एक प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि जयपुर शहर में *कोरोना वायरस कि इस भयावह स्थिति के लिए जो लोग जिम्मेदार है , जेइसीआरसी सीतापुरा एक सेंटर पर हीकेवल 167 लोगों के क्वॉरेंटाइन में प्रतिदिन उन पर 1,20,000 रुपये (प्रति व्यक्ति 720 रुपये) उनकी जी हुजूरी वह आवभगत में खर्च कर रही है।* राज्य सरकार की तुष्टीकरण की नीति व वर्ग विशेष के होने के कारण इन लोगों की जंवाई की तरह खातिरदारी की जा रही है। प्रशासन लजीज व्यंजन, पैक पानी की बोटल, उच्च स्तर की कैटरिंग जैसे रसगुल्ले, लजीज व्यंजन से उनकी आवभगत में जुटा हुआ है । *जबकि लोकडाउन को आज 18 दिन हो गए आम आदमी 5 किलो आटे के लिए तरस रहा है ।*

लाहोटी ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन राहत सामग्री का 60 % हिस्सा रामगंज/ भट्टा बस्ती/ लंकापुरी/ व हसनपुर के कुछ वर्ग विशेष के इलाकों में वितरित कर रही है।

इसके विपरीत जयपुर के दूसरे इलाकों के गरीब मजदूर लोग भयावह स्थिति से गुजर रहे हैं। सरकार व प्रशासन संकट के समय में भी मानव सेवा की जगह तुष्टीकरण की राजनीति में लगे हुए है ।

लाहोटी ने कहा कि यदि कोई बीमार है तो उसका सरकार इलाज करें परंतु इलाज के नाम पर भेदभाव के तुष्टीकरण नहीं करें । क्वॉरेंटाइन के अन्य सेंटरों पर पीने को पानी व चाय तक नहीं दी जा रही । आर यू एच एस जैसे सेंटर पर भी बेहद खराब वह चिंताजनक हालात है ।

एक वर्ग विशेष को रसगुल्ले में रस मलाई दी जा रही है और लाखों गरीब 5 किलो अनाज और आटे के लिए तरस रहे हैं।

लाहोटी ने बताया कि उनकी स्वयं की सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में सरकार दोहरा व पक्षपात पूर्ण रवैया अपना रही है। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में अब तक 80000 के लगभग राहत सामग्री के पैकेट बट जाने चाहिए थे परन्तु उसके बजाय आज तक मात्र 1530 पैकेट वितरित कर महज एक खानापूर्ति की गई है।

लाहोटी ने बताया कि शहर के अन्य हिस्सों में मात्र नाम मात्र की राशन सामग्री वितरित की जा रही है और वह भी छोटे *अधिकारियों को सरकार का डर दिखाकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जबरन कब्जा कर अपनी मनमर्जी से केवल कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को वितरित की जा रही है एवं पात्र व्यक्ति उक्त राहत सामग्री से वंचित रह गए।*

*विधायक अशोक लाहोटी ने राज्य सरकार से कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में तुष्टीकरण की राजनीति छोड़ निष्पक्ष पात्र व्यक्तियों तक राहत सामग्री पहुंचाने की अपील की है एवं जयपुर को इस भयावह स्थिति में पहुंचाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ रासुका व देशद्रोह जैसे कानून के तहत धाराएं लगाकर आवश्यक कार्यवाही कर सख्त संदेश देने की अपील की है।

अशोक लाहोटी विधायक, सांगानेर

ऐसे कैसे रुकेगा कोरोना • आखिर परकोटा सील होने के बावजूद कैसे टूट रहा है लॉकडाउन

कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग पहुंचे पलसाना, रामगंज के 13 लोग सांगानेर में पकड़े गए

दो युवतियां इमरजेंसी केस बताकर कर्फ्यू क्षेत्र से निकल गई, पुलिस ने उन्हें मुरलीपुरा में पकड़ा

क्राइम रिपोर्टर | जयपुर

रामगंज में ओमान से आए एक युवक की चूक ने आस-पास ही नहीं बल्कि, पूरे जयपुर शहर को संकट में डाल रखा है। अकेले जयपुर में कई ऐसे मामले आ चुके हैं जिनमें एक की चूक का नुकसान अब जयपुर और प्रदेश जनता को उठाना पड़ रहा है। बावजूद, कई लोग अभी सुधरे नहीं है। लॉकडाउन एवं महाकर्फ्यू के बीच कई लोग पुलिस को गच्चा देकर यहां से निकल रहे हैं। एक बुजुर्ग तो पलसाना तक जा पहुंचे। ऐसे ही कई मामले जयपुर से सामने आए हैं। यह चूक प्रदेश ही नहीं देश में कोरोना के खतरे को और बढ़ा देगी। पुलिस का दावा है कि करीब दो हजार से ज्यादा जवान परकोटे के नाकों पर तैनात कर दिए। पुलिस ने दावा किया कि अब परिंदा भी पर नहीं मार सकता। मगर ये दावा खोखला साबित हो रहा है।

कर्फ्यू तोड़ने वालों पर सख्ती, दो कंपनी अतिरिक्त लगाई : एडिशनल कमिश्नर

एडिशनल कमिश्नर अजयपाल लांबा का कहना है कि मुरलीपुरा पहुंची दोनों लड़कियों को पुलिस ने दो जगह रोका था। तब एमरजेंसी बताकर जनाना के बहाने से निकली थी। सीकर पहुंचने वाला व्यक्ति दवाई लेने के बहाने कर्फ्यू क्षेत्र से चंदवाजी चला गया। मुहाना मंडी जाने वाले लोग सब्जी की गाड़ी के साथ निकले थे। इस तरह की शिकायत पर कर्फ्यू क्षेत्र में आरएसी की दो कंपनी अतिरिक्त लगा दी गई है।

इन तीन केसों से समझिए... कैसे ये लोग आपकी जान को खतरे में डाल रहे हैं

केस 1

<u>रामगंज से सांगानेर पहुंचे 13 लोग:</u> रामगंज से तीन दिन पहले सांगानेर पहुंचे लोग इसलिए पकड़े गए क्योंकि स्थानीय लोग सतर्क थे। अनजान लोगों को देखकर मालपुरा गेट थाना पुलिस बुलाया, जिन्होंने इन लोगों को पकड़ कर सवाई मानसिंह अस्पताल में जांच के लिए भिजवाया। दो परिवारों के यह लोग रात के अंधेरे में रामगंज की संकरी गलियों से निकल गए थे।

केस 2

<u>पॉजिटिव 72 साल बुजुर्ग पलसाना पहुंच गए:</u> रामगंज से 72 साल के बुजुर्ग पुलिस की नजरों से बचकर पलसाना पहुंच गए। इरादा नागौर जाने का था। सूचना के बाद पुलिस ने बुजुर्ग को खाटूश्याम जी में बनाए गए आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया और जांच की। शुक्रवार को जांच में बुजुर्ग कोरोना पॉजिटिव पाया गया।

केस 3

<u>सुभाष चौक में नानी के घर से निकली दो युवतियां पॉजिटिव:</u> सुभाष चौक में नानी के घर आई दो युवतियां कोरोना पॉजिटिव आई है। दोनों युवतियां स्कूटी से सुभाष चौक से मुरलीपुरा स्कीम स्थित अपने घर गई। मगर इस दौरान रास्ते में तैनात पुलिस जवानों में से किसी ने नहीं रोका। दोनों युवतियों के आठ अप्रैल को सैंपल लिए गए थे। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम सुभाष चौक स्थित नानी के घर पहुंची। जहां पता चला कि दोनों युवतियां मुरलपुरा स्कीम स्थित अपने घर चली गई। हालांकि पुलिस ने ढूंढ लिया।

लॉक डाउन का उल्लंघन करने वाले 20 गिरफ्तार, 465 वाहन भी जब्त किए

कोरोना वायरस के प्रकोप से चल रहे लॉक डाउन का उल्लंघन करने पर कमिश्नरेट ने रविवार को 20 जनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लॉक डाउन की पालना के लिए पूरे शहर में 262 नाके लगा रखे है। जहां पर 465 वाहनों को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को कर्फ्यू क्षेत्र और क्वारेंटाइन सेंटरों पर संदिग्धों की निगरानी के लिए सुरक्षा बढ़ा दी है। कोरोना संक्रमितों की लगातार कॉन्टैक्ट हिस्ट्री खंगाली जा रही है। कर्फ्यू क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर ड्रोन कैमरे व सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अब तक सोशल मीडिया पर कोरोना संबंधित अफवाह फैलाने के मामले में 18 जनों को गिरफ्तार कर चुकी।

रामगंज-लालकोठी से 5 युवक मुहाना मंडी पहुंचे, स्क्रीनिंग के लिए भेजा

कोरोना संक्रमण के गढ़ रामगंज से निकलकर लोग शहर भर में घूम रहे है। रविवार को मुहाना मंडी में रामगंज और लालकोठी थाना इलाके से आए पांच लोगों को सब्जी व्यापारियों ने पकड़ लिया। लोगों की सूचना पर मुहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों से पूछताछ की गई।

थानाप्रभारी हीरालाल सैनी ने बताया कि तीन युवक रामगंज और दो युवक लालकोठी थाना इलाके से है। यह सभी बरसों से सब्जी बेचने का काम कर रहे है। मुहाना मंडी से ही सब्जी खरीदकर ले जाते है। पांचों को स्क्रीनिंग के लिए एसएमएस हॉस्पिटल भेज दिया गया है।

क्या विधायक महोदय के आरोप सही है?

विधायक श्री लाहोटी द्वारा राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाये है|परन्तु सरकार या जिला प्रशासन द्वारा अभी तक इन आरोपों का कोई खंडन नही किया गया है|यदि यही आरोप कोई सामान्य व्यक्ति लगाता तो हो सकता है अभी तक पुलिस उसे उठा चुकी होती|यदि सरकार वाकई संवेदनशील और जवाबदेह है तो क्यों इन आरोपों और प्रस्तुत तथ्यों की जांच नहीं करती?परन्तु लगता है कि सरकार द्वारा इसे महज राजनैतिक स्टंट बता कर मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा|

यह खतरनाक है • जयपुर के कर्फ्यू वाले क्षेत्र से निकलकर 5 ससुराल में छिपे, 4 ने कानोता में कमरा लिया

रामगंज के कर्फ्यूग्रस्त इलाके से पांच लोग भागकर कानोता पहुंचे, खो नागोरियान से भी चार भागे

भास्कर न्यूज | कानोता

कोरोना वैश्विक महामारी के चलते 22 मार्च से ही पूरे देश में लॉकडाउन है और कई जगहों पर कर्फ्यू भी लगा हुआ है, लेकिन जयपुर रामगंज में कर्फ्यू लगने के बाद भी लोग भागकर अन्यत्र जा रहे हैं। इससे अधिकारियों की जिम्मेदारी पर सवालियां निशान खड़े हो रहे हैं। रविवार रात को भी खो नागोरियान इलाके से भागकर आए चार लोग कानोता के महावीरनगर में किराए पर रूम लेकर ठहरते हुए थे, जबकि रामगंज से भागकर आए पांच लोग कानोता ससुराल में ठहरे हुए थे। पुलिस एवं चिकित्सा विभाग ने सभी को पकड़ कर स्क्रीनिंग कर जयपुर क्वारेन्टाइन सेंटर भेज दिया। इनके सम्पर्क में आए 13 लोगों को भी क्वारेन्टाइन कर दिया गया।

गुलाबी नगरी के परकोटा क्षेत्र में कर्फ्यू लगा हुआ है। रामगंज तो कोरोना का हॉट स्पॉट बना हुआ है। इसके बाद भी यहां से लोग जैसे-तैसे भागने में सफल हो रहे है। ऐसे में चिंता बढ़ाने वाली बात यह है कि ये लोग अपने साथ इस वायरस को भी बहुत-सी जगह फैलाने में सहयोग दे रहे है। हाल ही रामगंज से लोगों के सीकर के पलसाना, तूंगा, मुरलीपुरा व सांगानेर आदि जगहों पर चले जाने के मामले सामने आए थे। इससे इस वायरस के सोर्स बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

कानोता। जयपुर कर्फ्यू से भागकर आए लोग।

प्रशासन की लापरवाही उजागर, गांव पहुंच रहे लोग

ताजा मामला कानोता से सामने आया जहां थाना पुलिस ने रामगंज और खोनागोरियान क्षेत्रों से निकलकर आए लोगों को रोकने में सफलता प्राप्त की। हालांकि कर्फ्यू लगने के बाद भी इन क्षेत्रों से लोगों का निकलना पुलिस की सख्ती पर सवालिया निशान लगा रहा है। रामगंज से भागे लोग बाइक लेकर निकले थे तथा खोनागोरियान क्षेत्र के लोगों ने भागने के लिए टैम्पो काम में लिया है। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार खीचड़ ने बताया कि रामगंज घाटगेट स्थित बालाजी का रास्ता में फतेहपुरिया भवन जयपुर से भागकर आए दिलीप पुत्र शिवचरण पटवा, सत्यप्रकाश पुत्र मूलचंद पटवा और उसकी पत्नी नीतू एवं उनकी दो बेटियां जाह्नवी व रिया रविवार रात को कानोता के महावीर नगर में अपने ससुराल ठहरे थे। इनको पकड़कर क्वारेन्टाइन सेंटर में रखा गया। साथ ही इनके सम्पर्क में आए 11 लोगों को भी क्वारेंटाइन किया गया। इसी प्रकार खो नोगोरियान से भागकर आए मधुबनी बिहार निवासी किराएदार विक्की पुत्र दिगंबर यादव, उसकी पत्नी सुधीरा देवी और दोनों के बच्चों पूजा व विकास जोकि कानोता के महावीर नगर में किराए पर रूम लेकर ठहरे थे। इनके सम्पर्क में आए दो लोगों सहित 22 को जयपुर क्वारेन्टाइन सेंटर भेजा गया।

प्रताप यूनिवर्सिटी में क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाने का विरोध

चंदवाजी। प्रताप यूनिवर्सिटी को क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाने को लेकर सोमवार को एएसपी जयपुर ज्ञानचंद यादव ने निरीक्षण किया और भवन की सुविधाएं देखी। यूनिवर्सिटी में सेंटर बनाने की सूचना मिलते ही ग्रामीण एकत्रित हो गए और विरोध किया। ग्रामीणों ने बताया कि यूनिवर्सिटी में सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है। आसपास खेतों में किसान दिनभर काम करते हैं जिससे यहां संक्रमण का खतरा बन जाएगा। इसलिए यहां क्वॉरेंटाइन सेंटर नहीं बनाया जाए। शायर सिंह शेखावत, कृष्ण वर्मा, सीताराम बुनकर ने विरोध जताया। एएसपी यादव ने बताया कि सेंटर के लिए जगह देख रहे हैं। अभी तय नहीं है।

राहत की बात • जयपुर का रामगंज निवासी 25 मार्च से नहीं आ रहा था बैंक

कालाडेरा में बैंक का सहायक प्रबंधक कोरोना पीड़ित, ब्रांच को सेनिटाइज किया

कालाडेरा | एसबीआई की स्थानीय शाखा में कार्यरत जयपुर रामगंज निवासी असिस्टेंट मैनेजर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्थानीय प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह हरकत में आ गया और सवेरे सूचना के साथ ही बैंक शाखा को सेनिटाइज करवाया। यहां पर 30 मार्च से 8 अप्रैल तक आने वाले ग्राहकों की सूची लेकर स्क्रीनिंग करवाने की तैयारियां शुरू कर दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि 25 मार्च के बाद से ही असिस्टेंट मैनेजर बैंक में नहीं आ रहा था, लेकिन बावजूद इसके विभाग मामले में किसी भी प्रकार की कोताही बरतना नहीं चाहता। इसके तहत सोमवार को कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम केंद्र प्रभारी डॉ.अशोक कुमार चौधरी के नेतृत्व में बैंक में पहुंची और अंदर से लेकर बाहर तक पूरे बैंक को सेनिटाइज करवाया। इसके बाद चिकित्सकों ने बैंक शाखा प्रबंधक से वार्ता की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। थाना प्रभारी धर्मसिंह भी मौजूद रहे। शाखा प्रबंधक मुनेश मीणा से बात करने पर उन्होंने इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी देने से मना कर दिया।

सीएचसी प्रभारी डॉ.अशोक कुमार चौधरी ने बताया कि असिस्टेंट मैनेजर का 25 मार्च के बाद से बैंक में नहीं आना हमारे लिए राहत की खबर है, लेकिन इसके बाद भी विभाग किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरतना चाहता है। इसलिए बैंक के सभी कर्मचारियों की 14 दिन तक स्क्रीनिंग की जाएगी। बताया कि इसके साथ ही 20 मार्च से लेकर 8 अप्रैल तक बैंक में आने वाले सभी उपभोक्ताओं एवं अन्य लोगों की सूची तैयार की जा रही है। सूची तैयार होने के बाद इन लोगों की भी स्क्रीनिंग की जाएगी। बताया जा रहा है कि 30 मार्च से 8 अप्रैल तक करीब 150 ग्राहकों का बैंक में आना जाना माना जा रहा है।

दो सप्ताह से अधिकतर कर्मचारी बैंक नहीं आए, इसलिए चिंता की कोई बात नहीं, सभी की होगी स्क्रीनिंग

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि बैंक कर्मचारी की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट 10 अप्रैल को आई है, लेकिन राहत वाली बात यह है कि कर्मचारी 25 मार्च के बाद से बैंक में नहीं आया। इससे किसी को भी डरने की आवश्यकता नहीं है। बताया कि कर्मचारी के करीब 2 सप्ताह से ज्यादा बैंक से दूर रहने के कारण चिंता की कोई बात नहीं है। इस दौरान बैंक में आने जाने वाले लोगों को भी डरने की आवश्यकता नहीं है।

भीलवाडा मॉडल की सफलता का श्रेय तो ले रही है लेकिन रामगंज की विफलता को क्यों नहीं स्वीकार कर रही है सरकार?

देखने में आ रहा है कि सरकार भीलवाडा मॉडल की सफलता के दावे तो कर रही है परन्तु राज्य की राजधानी में तेजी से फ़ैल रहे कोरोना संक्रमण की विफलता को स्वीकार नहीं कर पा रही है|रामगंज क्षेत्र में लगातार कर्फ्यू का उल्लंघन किया जा रहा है,कई लोग यहाँ से भाग भाग कर दुसरे क्षेत्रों में जा रहे है|जिससे वहां भी कोरोना के संक्रमण का ख़तरा हो गया है|

चिंताजनक: सोशल डिस्टेंसिंग भूले, लॉकडाउन में यह हालात तो क्या होंगे परिणाम

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए किए लॉकडाउन में ही महिलाओं की यह लाइन लगी हुई है। झालाना डूंगरी बस्ती स्थित सामुदायिक केन्द्र में सोमवार को प्रशासन ने राशन बांटने की व्यवस्था की थी। जिम्मेदारों ने क्षेत्र के लोगों की संख्या, वहां के हालात की जानकारी लिए बिना वितरण कैम्प लगा दिया। नतीजा, सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ी और खूब धक्का मुक्की हुई। महिलाएं एक-दूसरे से झगड़ती रहीं। उन्हें समझाने के लिए और व्यवस्था बनाए रखने के लिए न पर्याप्त पुलिस थी ना ही अन्य विभाग के कर्मचारी। वहां उपस्थित महिला पुलिस बार-बार भीड़ को धकेलती रही। पुलिस संक्रमण से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का संदेश देती रही, लेकिन उसकी पालना नहीं करा सकी। स्थिति और बिगड़ने लगी तो पुलिस जाप्ता बुलाया गया, लेकिन यह भी पर्याप्त न था। भीड़ ज्यादा हुई और धक्का देकर वितरण केन्द्र का बंद दरवाजा खोल दिया। ऐसे में राशन वितरण ही बंद कर दिया गया। राशन की गाड़ी वहां से निकली तो लोग गाड़ी के पीछे दौड़ने लगे। पुलिस की सहायता से गाड़ी को निकाला गया।

फोटो : संजय कुमावत

त्रिका Tue, 14 April 2020 epaper.patrika.com/c/50947943

साभार:-राजस्थान पत्रिका में दिनांक 14/04/20 को प्रकाशित खबर

ये संक्रमण सिस्टम में है
भूख इंतजार नहीं कर सकती, लेकिन आपको करना चाहिए

सोशल डिस्टेंसिंग से राशन लेते तो 30 मिनट में मिलता, आपकी भीड़ ने राशन मिलने में 4 घंटे लगवा दिए; कोरोना का खतरा...सो अलग रहा

महेश शर्मा | जयपुर

हमारी व्यवस्था ही संक्रमित हो चुकी है। वायरस से बचाव के लिए सरकार ने लॉकडाउन लगाया है, लेकिन व्यवस्था और लोग ही इसे सफल नहीं होने देना चाहते। सोमवार दोपहर 1 बजे मालवीय नगर स्थित झालाना सरदार कच्ची बस्ती में प्रशासन की टीम राशन के पैकेट बांटने पहुंची तो लोगों ने उन्हें घेर लिया। काफी समझाया लेकिन सब बेकार। इससे घबराए कर्मचारी बाहर दौड़ने लगे। इसके बाद भी भीड़ बढ़ती गई और महिलाओं को आगे कर दिया। लोग लाइन में खड़े हुए तो इतना सटकर कि हवा भी पास न हो पाए। करीब 3 घंटे तक यही ड्रामा चलता रहा। आखिरकार 4 बजे नगर निगम की टीम को थाने से और जाप्ता मंगवाना पड़ा। कुछ देर स्थितियां सामान्य हुईं, लेकिन फिर ढाक के तीन पात।

ऐसी चेन न बने, तभी टूटेगी वायरस की चेन: 400 पैकेट राशन लेकर पहुंची प्रशासन की टीम, पुरुषों को टोका, वितरण रोका तो महिलाओं को आगे किया

मौके पर भीड़भाड़ ज्यादा हो गई थी। महिलाओं पर सख्ती भी नहीं कर सकते थे। ऐसे हालात हो ... गलियां भी बेहद तंग हैं। लोग ... -राकेश यादव, कार्यवाहक उपायु...

400 बैग्स लेकर गए थे। बड़ी मुश्किल से 25-30 ही बांट पाए कि सब एक साथ आ गए।

ईदगाह में भी वही स्थिति: ईदगाह में भी राशन वितरण के दौरान यही हाल ...र 2 बजे दरबार कॉलोनी की प्राथमिक स्कूल में 100 लोग एकत्र ...-दूसरे से सटकर। चारदीवारी में सब्जी वितरण के दौरान भी यही

साभार:-दैनिक भास्कर में दिनांक 14/04/20 को प्रकाशित खबर

आज की यह भयावह तस्वीर सिस्टम की पोल खोलने के लिए काफी है|यह तस्वीरें चीख चीख कर गाल बजाने वालों के मुहँ पर तमाचा है|यदि यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब राजस्थान देश का सर्वाधिक कोरोना ग्रस्त राज्यों के टॉप पर होगा|आज तक प्रकाशित स्वस्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जयपुर में 441 कोरोना संक्रमित है जो कि राजस्थान के अन्य जिलों के मरीजों की संख्या का आधा है|यह आंकड़े इशारा कर रहे है कि जयपुर में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास नाकाफी है|और

यदि आपके पास भी प्रशासन की नाकारा अव्यवस्था,लालफीताशाही से सम्बंधित ख़बरें,फोटोज,वीडियों है तो उसे सार्वजनिक करें|हमसे संपर्क करें:-

9828346151